PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30.00 संख्या 2417

प्रेत गठरी

थ्रिल हॉरर सस्पेंस

SALIL GOVIND RAM

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

संजय गुप्ता पेश करते हैं! थ्रिल, हॉरर, सस्पेंस का रोमांचक कॉमिक!!!

एक ऐय्याश मां ने न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए अपने बेटे राहुल को नींद की दवा देकर कार में अकेला छोड़ दिया। तूफान आया। राहुल कार सहित नदी में समा गया। मां प्रेतों द्वारा डायन बना दी गई। पति विनोद ने उसे छोड़ दिया कि जब उसके बेटे को लाएगी तभी घर में घुस सकती है। डायन हर रात एक बच्चा लाने लगी। विनोद ने घबराकर मकान एक नए परिवार को बेच दिया।

ये मेरा घर है। मैं ही इस घर में रहूंगी। अपने बेटे राहुल के साथ। कोई मुझे नहीं रोक सकता।

ये घर तब तक तेरा घर था जब तक तू एक अच्छी मां थी। अब तू डायन मां है। तू इस घर में नहीं घुस सकती। जा। चली जा यहां से वरना खोल दूंगा मैं ये...

परिकल्पना
विवेक मोहन

कैलीग्राफी
हरीश शर्मा

लेखक
तरुण कुमार वाही

इफेक्ट्स
गोविंद

पेंसिलिंग
सलिल

सह सम्पादक
मंदार गंगेले

इंकिंग
लक्ष्मिन

सम्पादक
मनीष गुप्ता

खोलो!

प्रेत गठरी

खोलो!

खोलो!

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

नहीं मानी तू डायन। आखिर तूने मुझे गठरी खोलने पर मजबूर कर ही दिया। अब भुगत!!!

इसे ऐसी जगह ले जाकर छोड़ेंगे, जहां इसे पानी भी नसीब नहीं होगा।

नहीं! छोड़ दो मुझे। ये घर मेरा है। मेरे पति विनोद का घर है। मेरे बेटे राहुल का घर है।

जिसे तू लाई है वो राहुल नहीं है।

म्याऊं!

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

त...तुमने कुछ सुना मुक्ति?

क्या? क्या सुना?

किसी के चीखने की आवाजें।

O COMEON PANKAJ! संकल्प के बाद अब तुम भी सपने देखने लगे।

नहीं। किसी औरत के चीखने की आवाज थी। ये मेरा घर है। विनोद का घर है। कुछ ऐसा मैंने सुना है मुक्ति और फिर एक जोरदार चीख की आवाज।

वो वहम् नहीं था।

ओहो! सो जाओ।

विनोद तो इस घर के मालिक का ही नाम है।

मैं संकल्प को देखकर आता हूं।

जल्दी आना।

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

फर्श पर खून के छींटें?

ये खून कहां से आया?

ओह, नहीं!

म्याऊं!!

मुझे पहले ही इस संभावना के बारे में सोच लेना चाहिए था।

खून की बूंदे इस तरफ भी गिरी हुई हैं।

ऐश को मैं चूहे मारने से नहीं रोक सकता। खैर अब चलकर सोना चाहिए!

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

तुम कहां चले गए थे?

वो डायन फिर आई थी। उसे भगाने गया था। वो अंदर आना चाहती थी।

क्या उसके साथ उसका बेटा राहुल भी था?

संकल्प! ये किससे बातें कर रहे थे?

अपने दोस्त से पापा।

तुम्हारा दोस्त? कहां है?

ये तो रहा। वो सामने ही! इसका नाम अनेक है।

PDF Compressor Pro
Chanchal Rose

ये टैडी बीयर?!!

ह....हां!!

ये सभी मेरे दोस्त हैं पापा।

तो फिर इन्हें भी सोने दो। रात बहुत हो चुकी है। तुम भी सो जाओ। O.K.?

O.K. PAPA!

GOOD NIGHT SON!

GOOD NIGHT PAPA!

हाहाहा! बहुत मजा आया। पापा समझ ही नहीं पाए।

हां वो मुझे देख नहीं सकते

तुम ये गायब होने वाला जादू मुझे भी सिखाओगे?

बहुत जल्दी!

PDF Compressor Pro
Chanchal Rose

अगले दिन सुबह पल्लवी की जोरदार चीखों से पूरा घर गूंज उठा।

पल्लवी क्यों चीख रही है?

मम्मी! पापा!!!

मगर उससे पहले मैं तुम्हें कुछ और ऐसी चीजें सिखलाऊंगा जिसे करके तुम्हें बहुत मजा आएगा।

फर्श पर पावं रखते ही पंकज के मुंह से भी जोरदार चीख निकल गई।

ओफ्फ!!

क्या हुआ पंकज?

यहां फर्श पर, जहां रात मैंने चप्पलें उतारी थीं, वहां अब कांच के टुकड़े रखे हुए हैं जो मेरे पांवों में चुभ गए हैं।

ओ नो!

उफ! ये कांच के टुकड़े यहां किसने रखे?

प...पता नहीं। काफी खून निकल रहा है।

जिसने भी ये शरारत की है, उसे पता था कि आप उठते ही पांव इस जगह पर उतारी गई चप्पलों पर ही रखते हो। उसने चप्पलें हटा कर यहां कांच रख दिया।

उफ पंकज। खून भी बह रहा है। मगर जब तक सभी कांच निकल नहीं जाएंगे, तब तक हम पट्टी भी नहीं बांध सकते।

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

तुम मेरी चिंता मत करो। मैं कांच निकालता हूं। तुम जाकर देखो कि पल्लवी क्यों चिल्लाई थी?

लेकिन?

मम्मी!

पल्लवी...

...तेरे बालों को क्या हुआ?

पता नहीं किसने किया ये सब। आप आइए तो सही।

ये देखिए। किसी ने मेरे बाल काटकर पूरे कमरे में उड़ा दिए हैं।

मुझे संकल्प को भी देखना होगा।

म्याऊं!!

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

ये तो सो रहा है

घर में सबसे पहले उठने वाला सदस्य आज देर तक सो रहा है?

मम्मी! वो देखो।

एक्वेरियम कैसे टूट गया?!

इसके टूटने की आवाज भी नहीं हुई।

और ये कांच हथौड़े से पीसा गया है।

यही कांच पापा की चप्पलों की जगह पर रखा गया था। इसी के टुकड़े से लहुलुहान हो गए हैं तुम्हारे पापा के पांव।

मगर यहां कांच को किसने पीसा होगा?

PDF Compressor Pro
Chanchal Rose

पल्लवी तुम्हारे बाल? उफ! ये सब क्या हो रहा है?

मैंने कहा था कि रात को कुछ हुआ है।

संकल्प देर रात तक जाग रहा था। अपने टैडी बीयर्स से बातें कर रहा था।

संकल्प ही कुछ बता सकता है।

मम्मी! पापा! देखिये। संकल्प के बिस्तर पर कैंची पड़ी है।

इसमें बाल फंसे हैं। मेरे बालों को इसी कैंची से काटा गया है पापा।

तो क्या संकल्प ने ही ये शरारतें की हैं?

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

ये एक्वेरियम कैसे टूटा? ये कांच किसने पीसा? कैंची तुम्हारे बैड पर क्यों पड़ी है?

GOOD MORNING PAPA.

GOOD MORNING MUMMY!

GOOD MORNING DI!

हाहाहाहा!

अरे! हंस क्यों रहे हो?

क्या ये सब शरारतें तुमने की हैं?

हां पापा! ये सब मजेदार शरारतें मुझे मेरे दोस्त ने सिखाई हैं। वो कह रहा था कि इन्हें करने में बड़ा मजा आता है।

तुम्हारा ये दोस्त... टैडी?

ह...हां।

चटाक!!!

पंकज!

PDF Compressor Pro
Chanchal Rose

बदतमीजी की भी कोई हद होती है।

संकल्प मेरा दोस्त है। उसे कोई मारेगा तो मैं उस पर गठरी खोल दूंगा।

ऐसी शरारतें नहीं करते बेटा, जिससे किसी को नुकसान पहुंचे।

संकल्प ने इससे पहले ऐसा कभी नहीं किया। शायद वो इस मकान में अकेलापन महसूस कर रहा है। उसके लिए कोई आया देखनी होगी।

दूर उस सूखे कुंए में से किसी के कराहने के स्वर आ रहे थे।

मुझे यहां से बाहर निकालो।

मुझे राहुल को घर लेकर जाना है।

कोई है? कोई है?

मुझे भूख लगी है! क्या खाऊं? क्या खाऊं?

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

ओह? खाना तो यहीं पर है।

"चलो संकल्प बाबा।"

आया आंटी तुम्हें अच्छे से नहलाएगी।

अरे! मेरी आंख में साबुन चला गया।

तो मैं पानी डाल देती है बाबा।

आह! आंखें जल रही हैं।

साबुन निकल गया बाबा?

इसकी नाक पर मुक्का मारकर इसको जवाब दो संकल्प। देखो कितना मजा आएगा।

ये लो टूथब्रश!!

इसका क्या करना है?

आउच!

धाड़!!!

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

इसे पिछली ओर से आया की नाक में घुसेड़ दो। बहुत मजा आएगा। हाहाहा।

आह! मेरी नाक!

आऽऽऽऽऽर्र्र!!!

ये अभी कम है!

नाक से खून बह रहा है!

आ आ आर्र्!

क्यों आया न मजा?

हां। बहुत। हाहाहा।

वो भागी।

आ आह!

हाहाहा

PDF Compressor Pro
Chanchal Rose

मुझे बचाओ।

क्या हुआ?...संकल्प कहां है?

आपका बेटा महाशैतान का अवतार है। मेडम उसने मेरी नाक पर मुक्का मारा, नाक में टूथब्रश घुसेड़ दिया।

ये सब संकल्प ने किया?

संकल्प! पागल हो गया है क्या?

PDF Compressor Pro
Chanchal Rose

मम्मी। आपको नहीं पता कितना मजा आया। हाहाहा।

चटाक!!!

तुझे हुआ क्या है?

जिस घर में ऐसे शैतान बच्चे हों वहां में काम नहीं कर सकती।

मैं पापा को फोन करती हूं।

लेकिन...

मेरे दोस्त पर कोई हाथ उठाएगा तो मैं उस पर गठरी खोलूंगा।

हैलो! पापा... आप फौरन घर आ जाइए यहां...

ये सब क्यों किया तूने?

मेरे दोस्त ने कहा था कि ऐसा करके मजा आएगा।

अब तूने कोई शरारत की तो मुझसे बुरा कोई ना होगा।

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

चल। अब तू अपने कमरे में बंद रहेगा।

...और आज तुझे कुछ खाने को नहीं दूंगी।

हे, भगवान्। ये इसे क्या हो गया है। पहले तो इसने कभी ऐसा नहीं किया।

कल रात से इसका व्यवहार बदला हुआ है!

लेकिन ये सिर्फ शरारतें हैं। उसे डांट पड़ गई है। कुछ देर कमरे में बंद रहेगा तो सुधर जाएगा।

हाहाहा। डांट तो खानी पड़ी पर मजा बड़ा आया।

अभी तो शुरुआत है। अभी तो और मजा आएगा। हाहाहा!

PDF Compressor Pro
Chanchal Rose

म्याऊं!!!

म्याऊं!!!

ऐशा वापस जा। वो मेरा दोस्त है।

छोड़ इसे।

म्याऊं!!!

ये तो ऐश की आवाज है।

ऐश अजीब सी आवाज में गुर्रा रही है।

उसने पहले ऐसा कभी नहीं किया। है कहां वो?

तेरी ये मजाल।

म्याऊं

PDF Compressor Pro
Chanchal Rose

आवाजें संकल्प के कमरे से ही आ रही हैं मां।

म्याऊ!!!

म्याऊ!!!

ओ मां।

उफ, नहीं।

हाहाहा!

ये तू क्या कर रहा है? ऐश हमारे घर के सदस्य की तरह है।

ये मेरे दोस्त पर झपटी थी....

म्याऊ!!!

...इसने उसे काटा भी। इसलिए मैंने इसे सजा दी है।

ऐश। तू ठीक तो है ना?

रात में

मुझे लगता है नए मकान में आकर वो ज्यादा खुश है। इसी एक्साइटमेंट में वो ऐसी शरारतें कर रहा है।

PDF Compressor Pro
Chanchal Rose

कहीं इस मकान पर कोई ऊपरी साया तो नहीं?
यू मीन भूत-प्रेत? तंत्र-मंत्र?
हाहाहा!
इसे मजाक मत समझो पंकज।
और तुम भी बच्चे की शरारतों को भूत-प्रेतों का किस्सा ना बनाओ। चलो सो जाओ।
उसने कोई डायन भी देखी थी। मुझे डर लग रहा है।
ओफ हो। मुक्ति। सो जाओ।

बाबा टुंडा आरामी

घबरा नहीं। घबरा नहीं। ऊपरी हवा का चक्कर ही लगता है। शायद किसी बच्चे की आत्मा हो, जो वहां रुकी हो और तेरे बेटे को परेशान कर रही हो।
हालांकि मैंने तांत्रिकी छोड़ दी है। लेकिन तू जा। तू जा। ये लोबान जला। धुंए में देवताओं का वास है। उसके धुंए से भाग जाएगी वो आत्मा।
होप, इससे सब ठीक हो जाए।

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

मुझे निकालो। कोई है ऽऽ

सुना? कोई आवाज आ रही है।

आवाजें उधर से आ रही हैं।

मुझे मेरे बेटे के पास जाना है। राहुल। राहुल।

आवाजें इस कुंए से आ रही हैं।

अरे! कुंए में कोई औरत गिरी पड़ी है।

मुझे निकालो।

PDF Compressor Pro
Chanchal Rose

आंटी! तुम कुंए में कैसे गिर गईं?

अरे बेवकूफ! पहले उसे बाहर तो निकाल।

नहीं उसे वहीं रहने दो!

हटो पीछे हटो। मैं ये रस्सी कुंए में डालता हूं।

मेरी मानो उसे मत निकालो।

राहुल! मेरा बेटा राहुल आ गया।

आंटी! रस्सी पकड़ लो।

हीहीही!

खींचो!!

हम्फ!

मत खींचो।

मत निकालो उसे बाहर।

PDF Compressor Pro
Chanchal Rose

आहाहाहा!!

ये तो कोई डायन है।

मैंने कहा था मत खींचों।

भागो!

आहाहाहा!

राहुल! रुक जा बेटा। मैं तेरी मां हूं।

राहुल भाग। तेज भाग।

पैड के कारण भागा नहीं जा रहा।

PDF Compressor Pro
Chanchal Rose

बैटिंग पैड उतार दे बेवकूफ।

फीता अटक गया है।

राहुल। मेरा राहुल मिल गया।

छोड़ दो मुझे।

"चल घर चल राहुल!"

ये चैन से सो रहा है।

लोबान का धुआं असर कर गया लगता है।

TUKK

खटाक

अब तू भी जा। सो जा।

ठीक है मम्मी।

ये आवाज कैसी थी?

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

विनोद! घर का दरवाजा क्यों बंद कर रखा है? देखो मैं राहुल को ले आई हूं!

मुझे अंदर आने दो!

प...पंकज!

पंकज!

क्या हुआ मुक्ति?

रुको! उधर कहां जा रहे हो?

तुम्हारा वहम दूर करने।

पंकज! घर के बाहर कोई है। वहां कोई है पंकज।

ओह!!

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

नहीं। मैं तुम्हें खिड़की नहीं खोलने दूंगी।

अरे! लेकिन देखने तो दो।

हमें संकल्प को देखना चाहिए।

वो आराम से सो रहा है।

और देखो। यहां बाहर भी कोई नहीं है।

तुम बेकार ही डर गई हो।

विनोद ने दरवाजा नहीं खोला। क्या ये राहुल नहीं है?

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

धाड़!!!

ये राहुल होता तो विनोद दरवाजा जरूर खोलता।

मैं राहुल को लाऊंगी!!

140 KM

म्याऊं!!!

चलो अब उठ जाओ! ड्रामा बहुत हो गया नींद का। हाहाहा।

मम्मी ताक-झांक जो कर रही थीं।

अरे शैतान बिल्ली। फिर मुझ पर झपट पड़ी।

मां। तुमने ऐश को कहीं पर देखा है?

नहीं। वो यहीं कहीं होगी।

कहीं दिखाई नहीं पड़ रही। ढूंढती हूं उसे।

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

बता, क्या करूं इसका?

दुष्ट बिल्ली है ये।

म्याऊं!!!

देख कैसे मचल रही है? हाहाहा।

इसका दम घोंटते हैं!!!

इसकी आंखें बाहर आने को हो रही हैं। हाहाहा।

एक और काम करेगा। बड़ा मजा आएगा।

हां बता।

सुन...

संकल्प! ये क्या कर रहा है? पागल हो गया है क्या? छोड़ दे ऐश को। वो मर जाएगी।

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

डरी भौचक्की पागलों की तरह भागती पल्लवी अंदर तो आ गई मगर-

ये क्या कर रहा है तू संकल्प?

आहाहाहहा।

ये तूने क्या किया?

क्या किया तूने ये? मेरी ऐश को मार डाला।

PDF Compressor Pro
Chanchal Rose

मम्मी!

पल्लवी! क्या हुआ?

वो मम्मी। संकल्प! उसे कुछ हो गया है।

कहां?

ये तो आराम से यहां सोया पड़ा है।

मगर कुछ मिनट पहले ही...

...उसने अपनी आंखों पर ऐश की आंखें लगा रखी थीं।

ऐसा तो कुछ नहीं है। होता तो...

...कम से कम मरी हुई बिल्ली की लाश तो पड़ी होती यहां।

लाश संकल्प के हाथ में थी।

तुम दोनों मां-बेटी को तो खामखां के वहम हो गए हैं।

ये वहम नहीं था पापा। ये वहम नहीं था।

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

अगले दिन-

वो वहम नहीं था मम्मी। मैं उस भयानक दृश्य को वहम नहीं मान सकती। ऐश भी तो कल से नहीं दिखाई पड़ी। वो जिंदा होती तो जरूर दिखती।

तुम्हें ऐसे मजेदार विचार कैसे आते हैं अनेका।

जब मैं तुम्हें गायब होने का जादू सिखा दूंगा, तब तुम्हें पता चल जाएगा।

तो अभी सिखाओ ना?

नहीं। वक्त आने दो। तब तक कुछ खेलते हैं।

मम्मी। जल्दी संकल्प के कमरे की तरफ चलो। वो किसी से बातें कर रहा है।

संकल्प कहां है तू?

मम्मी। मैं नहा रहा हूं।

PDF Compressor Pro
Chanchal Rose

मम्मी! ये तस्वीर किसकी है?

तस्वीर?

ऐसी तो कोई तस्वीर हमारे घर में नहीं थी। ये तस्वीर कहां से आई?

मम्मी। तस्वीर को ध्यान से देखो।

क्या मतलब?

बाहर चलो।

क्या कहना चाहती है?

ये तस्वीर इसी लॉन में खींची हुई है।

हां। ये तो इसी घर के लॉन की तस्वीर है।

मम्मी! दीदी!

PDF Compressor Pro
Chanchal Rose

संकल्प! ये तस्वीर किसकी है और तुम्हारे बैड पर कैसे पहुंची?

आप लोग क्या कर रहे हो?

शायद तस्वीर वाला बच्चा और ये औरत इससे पहले इस घर में रहते हों।

मम्मी! ये तस्वीर में जो बच्चा है उसका नाम राहुल है और साथ में उसकी मां नेहा है। जिसके कारण राहुल की डूबने से मौत हो गई थी।

राहुल की मौत के बाद उस के पापा विनोद ने राहुल की मां को डायन कह कर घर से निकाल दिया था।

उसके बाद उसे किसी ने नहीं देखा।

मगर तुझे ये सब कैसे पता?

मुझे मेरे दोस्त ने बताया है मम्मी।

उफ! कौन है इसका वो दोस्त?

ये वही होगा जिससे संकल्प बातें कर रहा था।

मम्मी। ऐश की लाश।

मैं कह रही थी कि मैंने संकल्प को ऐश के साथ विभत्स स्थिति में देखा था। मगर पापा ने मेरी बात नहीं मानी।

हे भगवान।

वो तांत्रिक टुंडा आरामी भी कह रहा था कि शायद घर में किसी बच्चे की आत्मा का प्रकोप है।

भगवती!

PDF Compressor Pro
Chanchal Rose

मेरी ऐश। इसे संकल्प ने मारा है मम्मी।

इसे शुरु से ही इस मकान पर छायी मनहूसियत का आभास हो गया था। उफ! हमें तभी समझ जाना चाहिए था।

मम्मी। भूख लगी है।

तुझे जो कहा है वो ही करना।

ठीक है मम्मी!

पल्लवी। आज तू संकल्प के साथ ही उसके कमरे में सोना।

ल...लेकिन मम्मी!

ये तेरे कमरे में क्या कर रही है?

धीरे बोलो वो जाग जाएगी।

बहुत हिम्मत वाली है तेरी बहन।

संकल्प के अलावा भी कमरे में कोई और बच्चा है।

चल आ ट्रेन चलाते हैं।

रात को तेरी तस्वीर मम्मी और दीदी के हाथ लग गई थी।

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

कूं sssss धुक धुक sss

अरे! ट्रेन पटरियों की बजाए हवा में उड़ रही है। और ये तो दीदी की तरफ जा रही है।

हां।

कूं ssss धुक धुक

कूं धुक धुक sss

खड़ाक!!!

ये...ये तो वही तस्वीर वाला बच्चा राहुल है।

ये मेरा दोस्त है दीदी।

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

म... मगर ये तो डूब गया था।

हाहाहा। मैं तो तुम्हारे सामने खड़ा हूं।

धाड़

आह!

तुम शैतान बच्चे हो। संकल्प के साथ जो हो रहा है वो तुम उसे सिखा रहे हो।

उसे मत मारो वो मेरा दोस्त है।

ये गठरी किसकी है? इस गठरी में क्या है?

उफ! इसमें कुछ हिल रहा है।

धाड़!!

आह!

खोलो

खोलो

खोलो

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

ये प्रेत गठरी है।

कैसी प्रेत गठरी?

संकल्पा तेरी बहन ने मुझे मारा है। क्यों ना प्रेत गठरी खोल दूं?

खोल दो।

खोलो

क्या कर रहे हो? कौन हो तुम?

उफ! तुम्हारी उंगलियां?

कल तेरी बिल्ली को मारा था। आज तू मरेगी।

खोलो

खोलो

अब खुलेगी प्रेत गठरी। हाहाहा।

खोलो

PDF Compressor Pro
Chanchal Rose

क्या है उस गठरी में? मत खोलो उसे।
जल्दी खोल राहुल जल्दी खोल प्रेत गठरी को।
मम्मी! मम्मी!
उसे रोक संकल्प।
तड़ाक!!!
आह!
प्रेत गठरी खुल गई।
हाहाहा
आहाहाहा
नहीं।

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

बेटा! जगह कम है।

दाढ़ी बाबा! चलो फुटबाल खेलें।

आप किक तो मारो।

आहाहाहा!

थड़!!

नहीं!

आहSSS

ये लो कील और हथौड़ा। ठोंकने में बड़ा मजा आता है। जाओ ये कीलें अपनी बहन के माथे पर ठोंक दो।

ठीक है।

नहीं! संकल्पा! मैं तुम्हारी बहन हूं!

देखा! मैंने कहा था ना कि जगह कम है।

आईSSSS

PDF Compressor Pro

Chanchal Rose

तुमने मेरे दोस्त को हथौड़ा मारा था!

...जो मेरे दोस्त को मारेगा, उसे मरना होगा।

नहीं!

सिर नीचे रख... वरना पंखे में आकर कट जाएगा। आहाहाहा।

मम्मी! पापा! बचाओ।

फर्रर्रर्र...

ठाक!!!

आऽऽऽऽह

भागना बंद करो।

पल्लवी मरेगी या बचेगी? क्या गुल खिलाएगा राहुल का

प्रकोप